न्यूज रिकॉल

जबलपुर, मंगलवार, 4 जुलाई 2023 | website : www.newsrecall.in

पीएम और सीएम की घोषणा का स्वागत

वीरांगना रानी दुर्गावती को मिलेगी देशव्यापी पहचान

गढ़ा मंडला राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती को अब जाकर देश व्यापी पहचान मिलने जा रही है। ऐसा इसलिए संभव हुआ है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीरांगना दुर्गावती के बलिदान और उनके शौर्य को नमन करते हुए वीरांगना दुर्गावती के 5 अक्टूबर को उनकी जयंती को भारत सरकार की ओर से पूरे देश में मनाने एक घोषणा की गई है।

जबलपुर। प्रधानमंत्री ने दुर्गावती की शौर्य गाथा को देश भर में घर घर पहुंचाने का संकल्प भी लिया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि वीरांगना की शौर्य गाथा पर फिल्म बनेगी, चांदी का सिक्का जारी होगा और डाक टिकट भी जारी होगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में रानी दुर्गावती का विशाल स्मारक बनाने की भी घोषणा की है और अभी घोषणा की है कि इस स्मारक पर पूरे वर्ष आयोजन हुआ करेंगे।

गढ़ा मंडला राज की महान वीरांगना रानी दुर्गावती के साथ इतिहासकारों ने न्याय नहीं किया और उनके इतिहास को लेकर कहीं कुछ विशेष रुप से लिखा भी नहीं गया। शहर की साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मित्र संघ के संस्थापक स्व.अजित वर्मा ने 1971 में वीरांगना दुर्गावती के बलिदान और उनकी शौर्य गाथा को जन जन तक पहुंचाने के लिए वीरांगना की बारहा स्थित समाधि पर उनका बलिदान दिवस मनाने की शुरुआत मित्रसंघ से करायी। 52 वर्षों से निरंतर यह आयोजन हो रहा है। इन 52 वर्षों की समय अवधि में स्वर्गीय अजित वर्मा ने वीरांगना स्मृति रक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण प्रयास किए। वर्ष 1975 में भंवरताल में वीरांगना दुर्गावती की गजारुढ़ प्रतिमा की स्थापना तत्कालीन महापौर स्वर्गीय बाबूराव परांजपे से कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और प्रतिमा अनावरण समारोह का संयोजन भी मित्रसंघ की ओर से किया। स्व.अजित वर्मा ने जबलपुर विश्वविद्यालय का नामकरण भी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कराया। लेडी एलगिन हॉस्पिटल का नामकरण भी रानी दुर्गावती के नाम से हुआ। उन्होंने वीरांगना दुर्गावती पर एक डाक टिकट भी तत्कालीन संचार मंत्री स्व. अर्जुन सिंह से जबलपुर में मित्रसंघ के आयोजन में जारी करवाई थी।

वीरांगना दुर्गावती को इतिहास को लेकर कोई संग्रहित साहित्य भी उपलब्ध नहीं था। स्वर्गीय अजित वर्मा ने वीरांगना दुर्गावती के इतिहास एक शोधपरक पुस्तक वीरांगना दुर्गावती का प्रकाशन भी मित्र संघ की ओर से किया। मित्र संघ द्वारा वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस के आयोजन के साथ-साथ पिछले 5 वर्ष पूर्व से ही वीरांगना दुर्गावती के 5 अक्टूबर को बलिदान दिवस जन्मदिवस के आयोजन की भी शुरुआत मित्रसंघ ने की। पिछले वर्ष वीरांगना दुर्गावती के जन्म दिन पर एक वृहद चित्रकला। प्रतियोगिता भी मित्रसंघ ने भंवरताल में आयोजित करायी। मित्र संघ के आयोजनों की निरंतरता बनी रहने से जबलपुर के समीपी जिलों में भी वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजनों की शुरुआत हुई है। इस बार मध्य प्रदेश सरकार ने वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस पर 22 जून से प्रदेश के 5 स्थानों से गौरव यात्रा प्रारंभ कराई। इसका समापन शहडोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया और उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी वीरांगना दुर्गावती की स्मृति रक्षा के लिए की हैं। मित्र संघ और मिलन की वीरांगना रानी दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान समिति के संयोजक मोहन शशि, सच्चिदानंद शेकटकर तथा सहसंयोजक परितोष वर्मा ने वीरांगना दुर्गावती देश की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई बड़ी घोषणा के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग का दिये निर्देश

पुलिस अधिकारी से की गई वसूली राशि 90 दिन के भीतर लौटाएं

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्ति के बाद डीएसपी के खिलाफ जारी की गई रिकवरी अवैधानिक पाते हुए निरस्त कर दी। जस्टिस मनिन्दर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता पुलिस अधिकारी से की गई वसूली राशि 90 दिन के भीतर लौटाएं। कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं करने पर 6 फीसदी वार्षिक दर से ब्याज देना होगा।

मूलतः इंदौर के रहने वाले शशि प्रकाश दुबे ने याचिका दायर कर बताया कि वे जुलाई 2017 में बैतूल से डीएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुआ थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशान्त अवस्थी, आशीष त्रिवेदी व असीम त्रिवेदी ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद 12 सितंबर 2017 को रिकवरी नोटिस जारी किया गया। विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता को द्वितीय समयमान वेतन सितम्बर 2007 से दिया जाना था, परन्तु यह लाभ अप्रैल 2006 से दे गया है। इसलिए अधिक भुगतान की गई राशि वापस की जाए। उन्होंने दलील दी कि उक्त भुगतान में याचिकाकर्ता की कोई त्रुटि नहीं है। राज्य सरकार द्वारा तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता ने क्षतिपूर्ति बॉन्ड भरा था कि अतिरिक्त राशि भुगतान होने की स्थिति में उसे वापस करना पड़ेगा। कोर्ट ने पाया कि क्षतिपूर्ति बॉन्ड किस तिथि को निष्पादित किया है, वह स्पष्ट नहीं है। यह दलील भी दी गई कि द्वितीय समयमान वेतन का लाभ प्रदान किए जाने के समय इस प्रकार का कोई बॉण्ड निष्पादित नहीं किया था।

याचिकाकर्ताओं को प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने हाईकोर्ट के निर्देश

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश के तहत दो याचिकाकर्ताओं को प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का परिणाम याचिका के अंतिम निर्णय से बाध्य होगा। दरअसल, आयुक्त लोक शिक्षण संचनालाय भोपाल द्वारा भर्ती नियम 2018 के प्रावधानों में संशोधन कर नई अधिसूचना जारी की है। इसके तहत वर्ष 2020 की पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की एक जनवरी 2023 को न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। याचिका में इस अधिसूचना की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने राज्य शासन व अन्य से जवाब तलब किया है।

परिणाम याचिका के अंतिम निर्णय से बाध्य होगा

नरसिंहपुर निवासी अंकिता इरपाचे और शिवानी ठाकुर की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि उक्त अधिसूचना शिक्षक सेवा भर्ती नियम 2018 तथा सामान्य प्रशासन विभाग निर्देशों के विपरीत है। इसके तहत राज्य शासन की सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम आयुसीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।

गांजा तस्कर को पांच वर्ष का कारावास

जबलपुर। एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह की अदालत ने गांजा तस्करी के आरोपित गोसलपुर निवासी गुड्डा उर्फ पुनउ का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ पांच वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक अरविंद जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 20 अगस्त, 2017 की रात्रि में आरोपित रेलवे क्रॉसिंग पुलिस के समीप काले रंग की पन्नी में गांजा रखकर खड़ा था। वह किसी ग्राहक की प्रतीक्षा कर रहा था। पुलिस ने संदेह के आधार पर तलाशी ली। इस पर तीन किलो गांजा बरामद हुआ। लिहाजा, अपराध पंजीबद्ध कर लिया। अदालत ने दोष साबित पाकर सजा सुना दी।

कुटुम्ब न्यायालय से मिली पत्नी की क्रूरता से हलाकान पति को राहत

जबलपुर। कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश केएन सिंह की अदालत ने पत्नी की क्रूरता से हलकान पति को राहत दे दी। इसके तहत विवाह विच्छेद की याचिका मंजूर कर ली गई। याचिकाकर्ता जगदीश मंदिर, गढ़ा फाटक निवासी दीपक विश्वकर्मा की ओर से अधिवक्ता रजनीश जायसवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता की पत्नी 2015 से निरंतर प्रताड़ित कर रही थी। इससे तंग आकर विवाह विच्छेद की मांग करनी पड़ी। इस बीच मेल-मिलाप, सुलह के हर संभव प्रयास किए गए। पुनर्वास के संबंध में कार्यवाही की गई। लेकिन पत्नी के साक्ष्य व आचरण से प्रतीत होता है कि वह भविष्य में अपने विवाह को कायम रखने की इच्छुक नहीं है। इसके लिए वह तैयार व तत्पर नहीं है। वह पति को क्रूरतापूर्ण व्यवहार के जरिए शारीरिक व मानसिक तौर पर बेहद कष्ट दे चुकी है। ऐसे में याचिकाकर्ता का उसके साथ रहना संभव नहीं है। वह विवाह समाप्त करने की मंशा से अदालत की शरण में आया है। वह आगे का जीवन शांति से जीना चाहता है। उसका परिवार भी इस मामले में याचिकाकर्ता के हक में फैसला आने से राहत अनुभव करेगा। अदालत ने तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता के हक में आदेश पारित कर दिया।

-मंजूर की गई विवाह विच्छेद की याचिका

एसपी को ज्ञापन देकर एफआईआर करने की मांग

गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप

जबलपुर।

जबलपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट टेक्निक एसोसिएशन के सैकड़ों पदाधिकारियों ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक तुषारकांत विद्यार्थी से मिलकर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वालों पर एफआइआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। एसपी ने पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि मामले की सूक्ष्म जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दोपहर साढ़े 12 बजे सिविल लाइन स्थित पुलिस अधीक्षक पहुंचे पदाधिकारियों ने कहा कि कुछ लोगों ने मिलकर जबलपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट टेक्निक एसोसिएशन संस्था के फर्जी चुनाव करा लिए। मात्र 7 व्यक्तियों की उपस्थितियों में जिसमे 2 जीवित पदाधिकारी के भी फर्जी हस्ताक्षर 20 जून 2022 कराकर पदाधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर करके उप पंजीयक फर्म्स एवं सोसायटी के कार्यालय में वर्ष 1998 से 2022 तक का आय-व्यय का विवरण एक ही राइटिंग में प्रस्तुत किया है। फर्जीवाड़ा करके तीन व्यक्ति फर्जी तौर पर उक्त संस्था के पदाधिकारी बन गए।

खातों में लाखों रुपए की एफडी जमा, कर सकते हैं गोलमाल

पदाधिकारियों ने कहा कि हमारी संस्था की लाखों की एफडी हैं जो यूनियन बैंक शाखा गोपाल बाग, बल्देवबाग में जमा हैं। हमें लगता है कि इन लोग उक्त संस्था की एफडी को खुर्द बुर्द कर सकते हैं।

मृत पदाधिकारियों के हस्ताक्षर कर बैठक कर ली

जबलपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट टेक्निक एसोसियेशन में लगभग 200 सदस्य हैं। संस्था के अध्यक्ष गुलाब यादव थे, जिनकी मृत्यु 29 अगस्त 2017 को हो चुकी है। फर्म एवं सोसायटी कार्यालय में प्रस्तुत जानकारी में गुलाब यादव अध्यक्षता में मीटिंग 20 जून 18 हुई। गुलाब यादव के फर्जी हस्ताक्षर करके जानकारी प्रस्तुत की गई। उपरोक्त संस्था के उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह आहूजा की मृत्यु 27 अप्रैल 2009 को हो चुकी है, लेकिन फर्म एवं सोसाइटी में दी गई जानकारी में 20 जून 2020 को उनको उपाध्यक्ष बनाया गया। ज्ञान सिंह आहूजा के फर्जी हस्ताक्षर हैं। इस बात की शिकायत कार्यालय सब रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं में भी की इस दौरान राजेश अग्रवाल, बबलू, अध्यक्ष ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी संघ जबलपुर, सतीश अस्वस्थी, मुन्ना भैया, परमवीर सिंह, सुधीर भागचंद्रानी, मिथ्रापी आहूजा, विरान पौराणिक, प्रिंसी बांगा, अजय जैन, गुप्ता, क्याल ओरिएंट सतपाल सिंह चन्नी सरकार, मोनू नंदी, जयेश ओझा, भारत केरिज बिट्टू कोहली, दालचंद कुंदन बांबी बांगा स्पेश मिलन गौलेश रिंकू जैन भाग्यश्री आदि सैकड़ों ट्रांसपोर्टर उपस्थित रहे।

महंगाई से थाली का जायका बिगड़ा

टमाटर शतक के पार, अदरक ने बनाया दोहरा शतक

जबलपुर।

बीते दस दिनों में आए मौसम के बदलाव ने जहां लोगों को गर्मी से निजात दिलाकर मौसम खुशनुमा किया है। वहीं दूसरी तरफ सब्जी भाजी की आवक प्रभावित कर दामों में चौगनी वृध्दि कर दी है। आज हालत यह है कि टमाटर जैसे रोजमर्रा के सब्जियां गरीब क्या आम आदमी के बजट से बाहर है। जून की शुरुआत में 15 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर आज जुलाई की शुरुआत में 120 रुपये किलो तक पहुंच चुका है। जबकि 40 रुपये किलो बिकने वाला अदरक 200 रुपये के पार पहुंच चुका है। बीते एक पखवाड़े के दौरान सब्जियों के दाम 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ चुके हैं। शहर और आस-पास के बाजारों में सब्जियों की स्थानीय आवक प्रभावित होने से यह बढ़ोत्तरी हो रह है। टमाटर की आवक पर स्थानीय बाजार जयपुर, बंगलूरु और आदिलाबाद आदि पर निर्भर हो गया है जिसके चलते वो 15 रुपये से 100 रुपये पर पहुंच चुका है। अदरक का सीजन समाप्त होने और नई फसल आने में वक्त होने की वजह से अदरक के दाम तीन सप्ताह से आसमान पर हैं। इस समय अदरक 200 रुपये किलो से ऊपर बिक रहा है। महंगाई से आम आदमी की थाली का जायका बिगड़ गया। लहसुन और धनिया के दाम आवक के अनुसार रोज घट-बढ़ रहे हैं। दो दिन पहले 30 रुपये किलो बिकने वाली धनिया पत्ती सोमवार को 80 रुपये किलो बिक रही थी। इसी प्रकार से लहसुन के दाम 70 रुपये किलो हैं, जो ऊपर नीचे हो रहे हैं। मयम वर्ग के लिए फिलहाल राहत की बात है कि आलू और प्याज के दाम 25 से 30 रुपये किलो के बीच ही हैं। यद्यपि इनकी भी लोकल आवक खत्म हो चुकी है। आलू प्रयागराज, बाराबंकी और इटावा से आ रहा है, तो प्याज नासिक सहित महाराष्ट्र के कुछ अन्य जिलों से आ रही है। इनके अलावा भिंडी, बैगन, गोभी, बींस, लौकी, मुनगा, मुशर और खीरा के दाम भी बरसात के चलते बढ़ने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर आने वाली सब्जियों के दाम भी आवागमन और उनकी तोड़ाई में आने वाले व्यवधान की वजह से बढ़ने की संभावना है। उम्मीद की जा रही है कि मौसम अब खुल रहा है तो स्थानीय आवक बढ़ेगी जिससे दाम नीचे आएंगे।

10 दिन में 60 से 200 पर

यहां दिलचस्प है की करीब 10 दिन पहले अदरक 60 रुपये किलो बिक रहा था जो अब 200 तक पहुंच रहा है। वहीं जिस टमाटर के बाद 10 दिन पहले 40 थे वो अब 80-90 और 100 पर है। मुशर 120 से 150, आलू 14 से 18-20, प्याज 12 से 20 और 22, खीरा 20 वाला अब 40, बरबटी 30 रुपए से उछल कर 50 पर है। यही हाल भिंडी का है जो 20रुपए से 40 रुपए किलो, मुनगा 60 से 80 रुपए पर है तो लहसुन 70 से 80 रुपए किलो बिक रहा है। महज 10-15 के अंतराल में कमोबेश सभी फल सब्जियों के दाम बढ़े हैं।

हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं हटे अतिक्रमण

जबलपुर। हाई कोर्ट ने शहर के सैनिक सोसायटी क्षेत्र में लंबे समय से काबिज अतिक्रमणों को 90 दिन के भीतर हटाए जाने का महत्वपूर्ण आदेश पारित किया था। लेकिन समय गुजरता जा रहा है और अतिक्रमण जस के तस कायम हैं। इससे यहां निवास करने वाले अधिवक्ता संजय सोनकर व उनकी पत्नी करिश्मा सोनकर हलकान हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि अतिक्रमणकारी परिवार हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी मनमानी कर रहे हैं। एक तो अतिक्रमणों के कारण क्षेत्र का वातावरण खराब कर रखा है, ऊपर से निर्माण कार्य के लिए सामग्री वाले ट्रकों का रास्ता रोक लिया जाता है। अवैध रूप से बनी पुलिया टूटने की दलील दी जाती है। जबकि हकीकत यह है कि अनुचित अतिक्रमणों की वजह से रोड संकरी होकर गलीनुमा हो गई है और नालियां समाप्त प्राय होने से बारिश में सड़क डबरे में तब्दील हो जाती है। नगर निगम आयुक्त व उनका अमला अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रहा।

धर्मशाला निर्माण की आधारशिला विधायक तरुण भनोट ने रखी

जबलपुर। पूर्व वित्त मंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं विधायक तरुण भनोट ने संयुक्त रजक समाज सभा ग्वारीघाट की धर्मशाला के प्रथम तल निर्माण का शिलान्यास कर आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने सयुक्त रजक समाज सभा द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यो की सराहना की।कार्यक्रम का शुभारंभ मां नर्मदा और संत गाडगे महाराज की पूजन अर्चना के साथ हुआ। जिसके बाद तरुण भनोट के द्वारा प्रथम तल के लिए ईट रख कर भूमि पूजन किया गया।कार्यक्रम में समाज के संरक्षक बाबूलाल रजक, अध्यक्ष रमेश रजक, सुदामा, नीरज रजक, ओमप्रकाश रजक, राजेंद्र रजक, किशन रजक, अजय रजक, बलदेव रजक, विनोद रजक, विशाल रजक, आर एस सोलंकी, सुरेंद्र रजक , दिनेश रजक, हदेश रजक, दीपक रजक, बबलू रजक, हेमेंद्र रजक, मिंकु रजक आदि उपस्थित रहे।